ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-२४
दिनांक- मंगलवार, २१ अप्रैल, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३४.० एवं १९.० डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ७० प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ३२ प्रतिशत, हवा की औसत गति २०.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.१ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.५ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २०.० एवं दोपहर में २७.० डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में ४१.० मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२२-२६ अप्रैल, २०२०)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २२-२६ अप्रैल तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- बंगाल की खाड़ी से नमी से भरी हवायें लगातार बिहार के वायुमंडल में प्रवेश करने के कारण अगले चार दिनों तक उत्तर बिहार के जिलों में वर्षा की संभावना बनी रहेगी। इस दौरान वर्षा के समय तेज हवा चल सकती है तथा थन्डरस्ट्रोम (बिजली और बज्रध्वनि के साथ वाली आँधी) की भी संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३२ से ३४ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २०-२२ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन २० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

सामान्य सलाह

- सामान्य सलाह- कोरोना वायरस के संक्रमण को ध्यान में रखते हुए खेतो में एक-दूसरे के बीच सामाजिक दूरी (अर्थात कम से कम १ मीटर यानी ३ फीट की दूरी) बनाए रखें तथा हमेशा मास्क लगाएं।
- किसान भाई आरोग्य सेतु एप इस्तेमाल कर कोराना वायरस के संक्रमण से बच सकते है । इस एप को आसानी से अपने मोबाइल फोन के प्ले स्टोर में जा के डाउनलोड कर सकते है । यह एप आपको आपके आसपास कोरोनावायरस पजिटिव लोगो के बारे में पता लगाने में मदद करेगा ।

• समसामयिक सुझाव

- किसानों को सलाह दी जाती है की अगले ३ से ४ दिनों तक हल्की वर्षा की संभावना को देखते हुए कृषि कार्यो में सर्तकता बरतने की आवश्यकता है। गेहूं अरहर तथा रवी मक्का की कटनी तथा सुखाने का काम सावधानीपुर्वक करें।
- लीची के पेड़ में फल बेधक कीट के शिशु जो उजले रंग के होते हैं। यह फलों के डंठल के पास से फलो में प्रवेश कर गुद्दे को खाते हैं जिससे प्रभावित फल खाने लायक नहीं रहता। इस कीट से वचाव हेतु लीची के पत्तियों एवं टहनियों पर प्रोफेनोफॉस ५० ई०सी० का १० मि०ली० या कार्बारिल ५० प्रतिशत घुलनशील पॉवडर का २० ग्राम दवा को १० लीटर पानी में घोलकर अप्रैल माह में १५ दिनों के अन्तराल पर प्रति पेड़ की दर से दो छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- आम के पेड़ में मिलीबग (दहिया कीट) की निगरानी करें। यह कीट चिपटे गोल आकार के पंखहीन तथा शरीर पर सफेद दही के रंग का पॉउडर चिपका रहता है। यह आम के पेड़ में मुलायम डालों और मंजर वाले भाग में बहुतो की संख्या में चिपका हुआ देखा जा सकता है तथा यह उन हिस्सों से लागातार रस चुसता रहता है जिससे अक्रान्त भाग सुख जाता है तथा मंजर झड़ जाते हैं। इस कीट से रोकथाम हेतु डाइमेथोएट ३० ई०सी०दवा का १.० मि०ली०/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर पेड़ पर समान रुप से आसमान साफ रहने पर छिडकाव करें।
- लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा में लाल भृंग कीट से बचाव हेतु डाइक्लोरवाँस ७६ इ०सी०/ १ मि०ली० प्रति ली० पानी की दर से आसमान साफ रहने पर ही छिड़काव करे।
- हल्दी एवं अदरक की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद डाले। १५ मई से किसान भाई हल्दी एवं अदरक की बुआई कर सकते हैं।
- ओल की फसल की रोपाई शीघ्र संपन्न करें। रोपाई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुशंसित है। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के ५.० ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर २०-२५ मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में १०-१५ मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।

आज का अधिकतम तापमानः २८.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ८.२ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १८.४ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.१ डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी